प्रश्नकोश

1. **गौतम बुद्ध का जन्म कब हुआ था?**

   (a) 563 ई. पू. (b) 558 ई. पू.

   (c) 561 ई. पू. (d) 544 ई. पू.

M.P.P.C.S. (Spl.) (Pre) 2004

उत्तर–(a)

गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी में 563 ई. पू. में हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्यगण के प्रधान थे तथा माता माया देवी कोलिय गणराज्य (कोलिय वंश) की कन्या थीं। 29 वर्ष की अवस्था में उन्होंने गृह त्याग दिया, जिसे बौद्ध ग्रंथों में 'महाभिनिष्क्रमण' की संज्ञा दी गई।

2. **बुद्ध के जीवन की किस घटना को 'महाभिनिष्क्रमण' के रूप में जाना जाता है?**

   (a) उनका महापरिनिर्वाण (b) उनका जन्म

   (c) उनका गृहत्याग (d) उनका प्रबोधन

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. गौतम बुद्ध की मां किस वंश से संबंधित थीं?
(a) शाक्य वंश
(b) माया वंश
(c) लिच्छवी वंश
(d) कोलिय वंश
U.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. बुद्ध का जन्म हुआ था—
(a) वैशाली
(b) लुम्बिनी
(c) कपिलवस्तु
(d) पाटलिपुत्र
U.P.P.C.S. (Pre) 2002
M.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. निम्न में से कौन-सा नाम बुद्ध का दूसरा नाम है?
(a) पार्थ
(b) प्रच्छन्न
(c) मिहिर
(d) गुडाकेश
(e) इनमें से कोई नहीं
Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(e)

गौतम के बचपन का नाम सिद्धार्थ था। इन्हें शाक्यमुनि, तथागत आदि नामों से जाना जाता है। आदि गुरु शंकराचार्य को 'प्रच्छन्न बौद्ध' या छिपा हुआ बुद्धमार्गी कहा जाता था। अतः पार्थ, प्रच्छन्न, मिहिर, गुडाकेश भगवान बुद्ध के अन्य नाम नहीं हैं। इस प्रकार अभीष्ट विकल्प (e) है, किंतु छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने अपने प्रारंभिक एवं संशोधित दोनों ही उत्तर-पत्रकों में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) ही जारी किया।

6. निम्नलिखित में से किस राजवंश के अभिलेख से इस परंपरा का समर्थन होता है कि लुम्बिनी शाक्यमुनि बुद्ध का जन्म स्थान था?
(a) मौर्य
(b) शुंग
(c) सातवाहन
(d) कुषाण
U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

उत्तर—(a)

मौर्य वंशीय शासक अशोक के रुम्मिनदेई अभिलेख से सूचना मिलती है कि शाक्यमुनि बुद्ध का जन्म लुम्बिनी में हुआ था। इस अभिलेख के अनुसार, अशोक राज्याभिषेक के 20 वर्ष बाद यहां आया था और उसने उस स्थान की पूजा की थी, जहां शाक्यमुनि बुद्ध का जन्म हुआ था। साथ ही इस अभिलेख में लुंबिनी के बुद्ध का जन्म स्थल होने के कारण इसे कर छूट प्रदान करने की घोषणा का भी उल्लेख है।

7. निम्नलिखित में से कौन एक अशोक का अभिलेख इस परंपरा की पुष्टि करता है कि गौतम बुद्ध का जन्म लुम्बिनी में हुआ था?
(a) बसाढ़ स्तंभ अभिलेख
(b) निगाली सागर स्तंभ अभिलेख
(c) रामपुरवा स्तंभ अभिलेख
(d) रुम्मिनदेई स्तंभ अभिलेख
U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. निम्नलिखित में से किस राजा के एक अभिलेख से सूचना मिलती है कि शाक्यमुनि बुद्ध का जन्म लुम्बिनी में हुआ था?
(a) अशोक
(b) कनिष्क
(c) हर्ष
(d) धर्मपाल
U.P.P.C.S. (Mains) 2011
U.P.P.C.S. (Mains) 2007
U.P.P.C.S. (Mains) 2004

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. महात्मा बुद्ध का 'महापरिनिर्वाण' कहां हुआ?
(a) लुम्बिनी में
(b) बोधगया में
(c) कुशीनगर में
(d) कपिलवस्तु में
47th B.P.S.C. (Pre) 2005
U.P.P.C.S. (Pre) 2011
53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(c)

बौद्ध धर्म का प्रचार करते हुए महात्मा बुद्ध मल्लों की राजधानी पावा पहुंचे, जहां वे चुंद नामक लुहार की आम्रवाटिका में ठहरे। उसने बुद्ध को सूकरमद्दव खाने को दिया, इससे उन्हें 'रक्तातिसार' हो गया और भयानक पीड़ा उत्पन्न हुई। इस वेदना के बाद भी वे कुशीनारा (मल्ल गणराज्य की राजधानी) पहुंचे। यहीं 483 ई.पू. में 80 वर्ष की अवस्था में उन्होंने शरीर त्याग दिया। बौद्ध ग्रंथों में इसे 'महापरिनिर्वाण' कहा जाता है।

10. गौतम बुद्ध का महापरिनिब्बान जिस राज्य में हुआ था, वह है—
(a) अंग
(b) मगध
(c) मल्ल
(d) वत्स
U.P.P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण किसके गणतंत्र में हुआ था?
(a) मल्लों के
(b) लिच्छवियों के

Scanned with OKEN Scanner

(c) शाक्यों के (d) पालों के

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. गौतम बुद्ध ने किस स्थान पर निर्वाण प्राप्त किया?

(a) कुशीनारा (b) श्रावस्ती

(c) लुम्बिनी (d) सारनाथ

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2011

M.P.P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(*)

बौद्ध धर्म में सांसारिक दु:खों से मुक्ति या दु:ख निरोध को ही निर्वाण माना गया है। बुद्ध को सांसारिक दु:खों से मुक्ति यानी कि निर्वाण ज्ञान प्राप्ति के समय प्राप्त हुआ, जो कि बोधगया में प्राप्त हुआ था।

13. महापरिनिर्वाण मंदिर अवस्थित है–

(a) कुशीनगर में (b) सारनाथ में

(c) बोधगया में (d) श्रावस्ती में

U.P. Lower Sub. (Mains) 2015

उत्तर–(a)

'महापरिनिर्वाण मंदिर' उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में स्थित है। मंदिर में स्थापित भगवान बुद्ध की मूर्ति 1876 ई. में उत्खनन के द्वारा प्राप्त की गई थी। 'महापरिनिर्वाण मंदिर' विश्व में बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक माना जाता है।

14. निम्नलिखित राज्यों में से किनका संबंध बुद्ध के जीवन से था?

1. अवंति **2. गांधार**

3. कोसल **4. मगध**

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) 1, 2 और 3 (b) 2 और 4

(c) केवल 3 और 4 (d) 1, 3 और 4

I.A.S. (Pre) 2014

I.A.S. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

विकल्प में दिए गए महाजनपदों में से कोसल एवं मगध महाजनपदों का संबंध बुद्ध के जीवन से था। गौतम बुद्ध ने अपनी शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु मगध एवं कोसल दोनों राज्यों में भ्रमण किया था।

15. गौतम बुद्ध द्वारा अपने धर्म में दीक्षित किया जाने वाला अंतिम व्यक्ति निम्नलिखित में से कौन था?

(a) आनंद (b) सारिपुत्त

(c) मोग्गलान (d) सुभद्द

U.P. P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(d)

अपने जीवन के अंतिम वर्ष में गौतम बुद्ध अपने शिष्य चुंद के यहां पावा पहुंचे। यहां सूकरमाद्दव भोज्य सामग्री खाने से वे अतिसार रोग से पीड़ित हो गए। फिर वे पावा से कुशीनगर चले गए और यहीं पर सुभद्द को उन्होंने अपना अंतिम उपदेश दिया।

16. बुद्ध द्वारा रूपांतरित निम्न व्यक्तियों में से कौन-सा अंतिम था?

(a) आनंद (b) वसुमित्र

(c) गोशल (d) सुभद्द

U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. बुद्ध ने अपने जीवन की अंतिम वर्षा ऋतु कहां बिताई थी?

(a) श्रावस्ती में (b) वैशाली में

(c) कुशीनगर में (d) सारनाथ में

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(b)

महापरिनिब्बान सूत्त से उनके जीवन के विविध आयामों एवं काल का निर्धारण किया जाता है, जिसके अनुसार, बुद्ध ने अपने जीवन की अंतिम वर्षा ऋतु वैशाली में बिताई थी।

18. निम्नलिखित में से कौन-सा एक बौद्ध मत में निर्वाण की अवधारणा की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या करता है?

(a) तृष्णारूपी अग्नि का शमन

(b) स्वयं की पूर्णत: अस्तित्वहीनता

(c) परमानंद एवं विश्राम की स्थिति

(d) धारणातीत मानसिक अवस्था

I.A.S. (Pre) 2013

उत्तर–(a)

बुद्ध ने निर्वाण को मन की उस परम शांति के रूप में वर्णित किया है, जो तृष्णा, क्रोध और दूसरी विषादकारी मन:स्थितियों से परे है। यह शांति तभी प्राप्त होती है, जब सभी वर्तमान इच्छाओं के कारण समाप्त हो जाएं और भविष्य में पैदा हो सकने वाली इच्छाओं का जड़ से नाश हो जाए। निर्वाण में तृष्णा और द्वेष के कारण जड़ से समाप्त हो जाते हैं, जिससे मनुष्य सभी प्रकार के कष्टों (दु:ख) या संसार में पुनर्जन्म के चक्र से छूट जाता है। अत: विकल्प (a) सही उत्तर है।

Scanned with OKEN Scanner

19. बोधगया में किसे ज्ञान-प्राप्ति हुई थी?

(a) महावीर स्वामी (b) गौतम बुद्ध

(c) सीमंधर स्वामी (d) पार्श्वनाथ स्वामी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर–(b)

बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध को ज्ञान-प्राप्ति बोधगया में हुई थी। यहां छः वर्षों की कठिन साधना के बाद 35 की अवस्था में वैशाख पूर्णिमा की रात्रि को एक पीपल के वृक्ष के नीचे इन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

20. आलार कालाम कौन थे?

(a) बुद्ध के एक शिष्य

(b) एक प्रतिष्ठित बौद्ध भिक्षु

(c) बुद्धकालीन एक शासक

(d) बुद्ध के एक गुरु

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(d)

महाभिनिष्क्रमण के बाद ज्ञान की खोज में महात्मा बुद्ध, आलार कालाम के आश्रम में पहुंचे तथा उनसे दीक्षा ली। आलार कालाम के आश्रम में उन्होंने तपस्या की, किंतु वे इससे संतुष्ट नहीं हुए। आलार कालाम सांख्य दर्शन के आचार्य थे तथा अपनी साधना शक्ति के लिए विख्यात थे।

21. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला 'धर्मचक्रप्रवर्तन' किस स्थान पर दिया था?

(a) लुम्बिनी में (b) सारनाथ में

(c) पाटलिपुत्र में (d) वैशाली में

U.P.P.C.S. (Mains) 2004

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

M.P.P.C.S. (Pre) 1991, 1999

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(b)

ज्ञान प्राप्ति के पश्चात गौतम बुद्ध ने अपने मत का प्रचार प्रारंभ किया। उरुवेला से वे सबसे पहले ऋषिपत्तन (वर्तमान में सारनाथ वाराणसी के निकट) आए। यहां उन्होंने पांच ब्राह्मण संन्यासियों को पहला उपदेश दिया। इस प्रथम उपदेश को 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहा जाता है।

22. बुद्ध ने अपना पहला उपदेश कहां दिया था?

(a) काशी (b) सारनाथ

(c) कुशीनगर (d) बोधगया

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. सारनाथ में अपना प्रथम प्रवचन किसने दिया?

(a) महावीर (b) शंकराचार्य

(c) महात्मा बुद्ध (d) गुरु नानक

U.P.P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. गौतम बुद्ध अपना प्रथम उपदेश कहां दिए थे?

(a) वैशाली (b) कौशाम्बी

(c) सारनाथ (d) पावापुरी

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. ग्रंथों में उल्लिखित "धर्मचक्रप्रवर्तन" है–

(a) उनका (बुद्ध का) दर्शन

(b) सारनाथ में दिया गया उनका प्रथम उपदेश

(c) उनके धार्मिक आदर्श

(d) बौद्ध अनुष्ठान

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. 'धर्मचक्रप्रवर्तन' किया गया था–

(a) सांची में (b) श्रावस्ती में

(c) सारनाथ में (d) वैशाली में

U.P. Lower Sub. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश दिए थे–

(a) वैशाली में (b) श्रावस्ती में

(c) कौशाम्बी में (d) राजगृह में

U.P.P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(b)

बुद्ध के सबसे अधिक शिष्य कोसल राज्य में हुए थे तथा यहां की राजधानी श्रावस्ती में ही उन्होंने सर्वाधिक उपदेश दिए थे।

28. बुद्ध कौशाम्बी किसके राज्य-काल में आए थे?

(a) शतानीक (b) उदयन

(c) बोधि (d) निचक्षु

U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

महात्मा बुद्ध वत्सराज उदयन के शासनकाल में कौशाम्बी आए थे। वहां उन्होंने 9वां वर्षावास किया। उदयन ने पिंडोला भारद्वाज के प्रभाव से बौद्ध बनने के बाद घोषिताराम विहार भिक्षु संघ को दान किया।

29. बुद्ध की मृत्यु के पश्चात प्रथम बौद्ध संगीति की अध्यक्षता की गई–

(a) महाकस्सप द्वारा (b) धर्मसेन द्वारा

(c) अजातशत्रु द्वारा (d) नागसेन द्वारा

U.P.P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(a)

प्रथम बौद्ध संगीति (प्रथम बौद्ध परिषद) बुद्ध की मृत्यु के तत्काल बाद राजगृह (राजगीर) की सप्तपर्णि गुफा में हुई। इस समय मगध का शासक अजातशत्रु था। इस संगीति की अध्यक्षता महाकस्सप (महाकश्यप) ने की तथा इसमें बुद्ध के प्रमुख शिष्य आनंद और उपालि भी उपस्थित थे। इसमें बुद्ध की शिक्षाओं का संकलन हुआ तथा उन्हें सुत्त और विनय नामक दो पिटकों में विभाजित किया गया। आनंद तथा उपालि क्रमशः धर्म और विनय के प्रमाण माने गए।

30. प्रथम बौद्ध संगीति के अध्यक्ष कौन थे?

(a) वसुमित्र (b) महाकश्यप

(c) संघरक्ष (d) पार्श्वक

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

31. प्रथम बौद्ध परिषद का संचालन निम्नलिखित में से किस एक ने किया?

(a) आनंद (b) महाकस्सप

(c) मोग्गलिपुत्त (d) उपालि

U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. प्रथम बौद्ध महासभा कहां आयोजित हुई थी?

(a) पाटलिपुत्र (b) राजगृह

(c) अमरावती (d) कनगनहल्ली

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) (Re- Exam) 2022

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. 'सप्तपर्णी गुफा' स्थित है–

(a) सांची में (b) नालंदा में

(c) राजगृह में (d) पावापुरी में

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

34. भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद पहली बौद्ध संगीति हुई थी–

(a) राजगृह (राजगीर) में

(b) गया में

(c) पाटलिपुत्र में

(d) वैशाली में

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

35. कश्मीर में कनिष्क के शासनकाल में जो बौद्ध संगीति आयोजित हुई थी, उसकी अध्यक्षता निम्नलिखित में से किसने की थी?

(a) पार्श्व (b) नागार्जुन

(c) शूद्रक (d) वसुमित्र

I.A.S. (Pre) 2001

उत्तर–(d)

बौद्ध धर्म की चतुर्थ संगीति कुषाण शासक कनिष्क के राज्यकाल में कश्मीर के कुंडलवन में हुई थी। इसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की तथा अश्वघोष इसके उपाध्यक्ष बने। इस सभा में महासांघिकों का वर्चस्व था। यहां बौद्ध ग्रंथों के कठिन अंशों पर सम्यक विचार किया गया तथा प्रत्येक पिटक पर भाष्य लिखकर उन्हें 'विभाषाशास्त्र' नामक टीकाओं में संकलित कर दिया गया। इसी समय बौद्ध धर्म हीनयान एवं महायान नामक दो स्पष्ट संप्रदायों में विभक्त हो गया।

36. बौद्ध धर्म की महायान शाखा औपचारिक रूप से किसके शासनकाल में प्रकट हुई?

(a) अजातशत्रु (b) अशोक

(c) धर्मपाल (d) कनिष्क

I.A.S. (Pre) 1993

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध सभा किस नगर में आयोजित की गई थी?

(a) मगध (b) पाटलिपुत्र

(c) कश्मीर (d) राजगृह

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. किस शासक के काल में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कश्मीर में हुआ था?

(a) अशोक (b) कालाशोक

(c) कनिष्क (d) अजातशत्रु

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2010

I.A.S. (Pre) 2001

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

39. चतुर्थ बौद्ध संगीति (परिषद) हुई थी–

(a) कनिष्क के शासनकाल में (b) अशोक के शासनकाल में

(c) हर्षवर्धन के शासनकाल में (d) मेनाण्डर के शासनकाल में

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. इनमें से किस शासक ने चतुर्थ बौद्ध संगीति कश्मीर में आयोजित की?

(a) अशोक (b) अजातशत्रु

(c) कनिष्क (d) कालाशोक

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) 2020

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

41. निम्नलिखित पर विचार कीजिए–

1. बुद्ध में देवत्वारोपण

2. बोधिसत्व के पथ पर चलना

3. मूर्ति उपासना तथा अनुष्ठान

उपर्युक्त में से कौन-सी विशेषता/विशेषताएं महायान बौद्ध मत की है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2019

उत्तर–(d)

महायान बौद्ध मत बुद्ध की लोकोत्तर सत्ता तथा देवत्व में विश्वास करता है और बुद्ध के अनेक अवतारों एवं रूपों में विश्वास करता है। साथ ही यह बुद्धत्व के मार्ग पर चलने वाले को 'बोधिसत्व' कहता है, जो सभी मानवों की मुक्ति में सहायता करता है। बोधिसत्व के पथ पर चलना इस मत में अनुकरणीय कहा गया है। हिंदू धर्म के प्रभाव में बुद्ध में देवत्व के आरोपण के साथ ही अनुष्ठान और मूर्तिपूजा महायान की मुख्य पद्धति बन गई। अतः तीनों कथन सत्य हैं।

42. निम्नलिखित चार स्थानों में हुई बौद्ध संगीतियों का सही कालक्रम नीचे दिए हुए कूट से ज्ञात करें–

1. वैशाली **2. राजगृह**

3. कुंडलवन **4. पाटलिपुत्र**

कूट :

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 4, 3, 2, 1

(c) 2, 1, 3, 4 (d) 2, 1, 4, 3

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

उत्तर–(d)

प्रथम बौद्ध संगीति बुद्ध की मृत्यु के तत्काल बाद मगध नरेश अजातशत्रु के कार्यकाल में राजगृह (राजगीर) स्थित सप्तपर्णि गुफा में संपन्न हुई थी। द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन कालाशोक के शासनकाल में बुद्ध की मृत्यु के 100 वर्ष बाद वैशाली में किया गया था। तृतीय बौद्ध संगीति मौर्य सम्राट अशोक के शासनकाल में पाटलिपुत्र में हुई थी। मोग्गलिपुत्त तिस्स इसके अध्यक्ष थे। चतुर्थ बौद्ध संगीति कनिष्क के शासनकाल में कुंडलवन (कश्मीर) में संपन्न हुई थी। इसकी अध्यक्षता वसुमित्र एवं उपाध्यक्षता अश्वघोष ने की।

43. द्वितीय बौद्ध समिति का आयोजन कहां हुआ था?

(a) राजगृह में (b) वैशाली में

(c) पाटलिपुत्र में (d) काशी (वाराणसी) में

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. तृतीय बौद्ध सभा किस स्थान पर बुलाई गई थी?

(a) तक्षशिला (b) सारनाथ

(c) बोधगया (d) पाटलिपुत्र

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

45. प्रथम बौद्ध समिति का आयोजन हुआ था–

(a) अनिरुद्ध के शासनकाल में

(b) अजातशत्रु के शासनकाल में

Scanned with OKEN Scanner

(c) बिंबिसार के शासनकाल में

(d) उदयभद्र के शासनकाल में

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

46. निम्नलिखित में से किस नगर में प्रथम बौद्ध सभा आयोजित की गई थी?

(a) नालंदा (b) गया

(c) राजगीर (d) बोधगया

U.P.P.C.S. (Pre) 2000

M.P.P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

47. निम्न में से किस शासक ने द्वितीय बौद्ध सभा का आयोजन किया था?

(a) अजातशत्रु (b) कालाशोक

(c) आनंद (d) अशोक

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1994

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

48. बुद्ध के जीवन की चार महत्वपूर्ण घटनाओं और उनसे संबद्ध चार स्थानों का नीचे उल्लेख है, यह दो स्तंभों (I) एवं (II) में अंकित हैं, आपको इनका सुमेल करना है–

स्तंभ-I	स्तंभ-II
(1) जन्म	(i) सारनाथ
(2) ज्ञान प्राप्ति	(ii) बोधगया
(3) प्रथम प्रवचन	(iii) लुम्बिनी
(4) निधन	(iv) कुशीनगर

सही मेल है–

(a) 1-i, 2-ii, 3-iv, 4-iii

(b) 1-ii, 2-iii, 3-i, 4-iv

(c) 1-iii, 2-ii, 3-i, 4-iv

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. में कपिलवस्तु के समीप लुम्बिनी में हुआ था। उरुवेला बोधगया (वर्तमान) में वैशाख पूर्णिमा की रात को उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ। काशी के ऋषिपत्तन (सारनाथ) में उन्होंने प्रथम उपदेश (धर्मचक्रप्रवर्तन) दिया एवं कुशीनारा में उनका निधन हुआ, जिसे बौद्ध साहित्य में 'महापरिनिर्वाण' कहा गया है।

49. भारतीय कला में बुद्ध के जीवन की किस घटना का चित्रण 'मृग सहित चक्र' द्वारा हुआ है?

(a) महाभिनिष्क्रमण (b) संबोधि

(c) प्रथम उपदेश (d) निर्वाण

U.P.P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(c)

भारतीय कला में बुद्ध के जीवन के प्रथम उपदेश का चित्रण 'मृग सहित चक्र' द्वारा हुआ है। बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में मृगदाव (हरिण वन) में दिया था।

50. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (चिह्न)	सूची-II (अर्थ)
A. जन्म	1. बोधि वृक्ष
B. प्रथम प्रवचन	2. धर्मचक्रप्रवर्तन
C. महाबोधि	3. घोड़ा
D. त्याग	4. कमल

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	3	4	1	2
(d)	4	2	1	3

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(d)

सही सुमेलन इस प्रकार है :

सूची-I (चिह्न)	सूची-II (अर्थ)
जन्म	कमल
प्रथम प्रवचन	धर्मचक्रप्रवर्तन
महाबोधि	बोधि वृक्ष
गृह त्याग	घोड़ा

51. करमापा लामा तिब्बत के बुद्ध संप्रदाय के किस वर्ग का है?

(a) गेलूगपा (b) कंग्यूपा

(c) साक्यपा (d) लिंगमापा

U.P.P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(b)

करमापा लामा तिब्बत के बौद्ध संप्रदाय 'कंग्यूपा' वर्ग से संबंधित हैं।

52. महात्मा बुद्ध के संबंध में निम्नलिखित कथनों में कौन सही है?

1. उनका जन्म कपिलवस्तु में हुआ था।

2. उन्होंने बोधगया में ज्ञान प्राप्त किया था।

3. उन्होंने वैदिक धर्म को अस्वीकार किया था।

Scanned with OKEN Scanner

52. उन्होंने आर्य सत्य का प्रचार किया था।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) 1 तथा 2 (b) 1 तथा 3

(c) 1, 2, तथा 3 (d) 1, 2, 3 तथा 4

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प (d) सही उत्तर है, क्योंकि उपर्युक्त सभी कथन सही हैं (जन्म-कपिलवस्तु के लुम्बिनी में, ज्ञान-बोधगया, वैदिक धर्म की अस्वीकार्यता तथा चार आर्य सत्यों का प्रचार सभी सही हैं)।

53. बोधगया में महाबोधि मंदिर बनाया गया, जहां–

(a) गौतम बुद्ध पैदा हुए थे।

(b) गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ।

(c) गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम प्रवचन दिया।

(d) गौतम बुद्ध की मृत्यु हुई।

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(b)

बोधगया में 6 वर्ष की साधना के पश्चात 35 वर्ष की आयु में महात्मा बुद्ध को वैशाख पूर्णिमा की रात को एक पीपल के वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ।

54. बोधगया में 'बोधि वृक्ष' अपने वंश की इस पीढ़ी का है-

(a) तृतीय (b) चतुर्थ

(c) पंचम (d) षष्ठम

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

महाबोधि मंदिर में स्थित वर्तमान बोधि वृक्ष वही नहीं है, जिसके नीचे बैठकर महात्मा बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था। ह्वेनसांग के अनुसार, उस मूल वृक्ष को सातवीं शताब्दी में सम्राट शशांक ने नष्ट करा दिया था। वर्तमान वृक्ष जिसे हम देख रहे हैं वह पांचवीं पीढ़ी का वृक्ष है, जिसे अलेक्जेंडर कनिंघम ने लगवाया था। यह वृक्ष पूरी तरह संरक्षित है और केवल इससे गिरी हुई पत्तियों को ही छूने एवं उठाने का अधिकार है।

55. निम्नलिखित में से कौन-सा बौद्ध पवित्र स्थल निरंजना नदी पर स्थित था?

(a) बोधगया (b) कुशीनगर

(c) लुम्बिनी (d) ऋषिपत्तन

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(a)

पवित्र बौद्ध स्थल बोधगया, जहां गौतम बुद्ध को सर्वप्रथम ज्ञान प्राप्त हुआ था, निरंजना नदी पर स्थित है। आधुनिक फाल्गु (फल्गु) नदी को ही पूर्व में निरंजना के नाम से जाना जाता था। यह नदी दो छोटी धाराओं निरंजना एवं मोहना के मिलने के बाद बनती है।

56. बुद्ध के उपदेश किससे संबंधित हैं?

(a) आत्मा संबंधी विवाद (b) ब्रह्मचर्य

(c) धार्मिक कर्मकांड (d) आचरण की शुद्धता व पवित्रता

U.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(d)

महात्मा बुद्ध के उपदेश आचरण की पवित्रता एवं शुद्धता से संबंधित हैं। बुद्ध के उपदेशों में आत्मा संबंधी विवाद नहीं है। धार्मिक कर्मकांडों की बुद्ध ने आलोचना की है।

57. निम्नलिखित में से कौन बुद्ध के जीवनकाल में ही संघ प्रमुख होना चाहता था?

(a) देवदत्त (b) महाकस्सप

(c) उपालि (d) आनंद

U.P.P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(a)

देवदत्त, बुद्ध का चचेरा भाई था। वह पहले उनका अनुगत बना और फिर उनका विरोधी बन गया। वह बौद्ध संघ से बुद्ध को हटाकर स्वयं संघ का प्रधान बनना चाहता था, किंतु उसे इसमें सफलता नहीं मिली। वस्तुतः देवदत्त उसी दिन से संघ का प्रधान बनने की सोचने लगा था, जब वह पहले-पहले भिक्षु बना था।

58. गौतम बुद्ध ने अपनी मृत्यु के उपरांत बौद्ध संघ के नेतृत्व के लिए निम्न में से किसे नामित किया था?

(a) आनंद (b) महाकस्सप

(c) उपालि (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2002

उत्तर–(d)

कुशीनारा में मल्लों के सालवन में विश्राम के दौरान अपनी मृत्यु से पूर्व बुद्ध ने भिक्षुओं को निकट बुलाकर धर्मोपदेश दिया–'आनंद, शायद तुम ऐसा सोचो कि हमारे शास्ता चले गए, अब हमारा शास्ता नहीं है। आनंद, ऐसा मत समझना। मैंने जो धर्म और विनय किए हैं, मेरे बाद वे ही तुम्हारे शास्ता होंगे।' इस प्रकार स्पष्ट है कि बुद्ध ने अपनी मृत्यु के उपरांत बौद्ध संघ के नेतृत्व के लिए किसी को नामित नहीं किया था, बल्कि अपने उपदेशों (धर्म एवं विनय) को ही मार्गदर्शक बताया था।

59. अष्टांग मार्ग की संकल्पना, अंग है–

(a) दीपवंश की विषयवस्तु का

(b) दिव्यावदान की विषयवस्तु का

(c) महापरिनिब्बान की विषयवस्तु का

(d) धर्मचक्रप्रवर्तन सुत्त की विषयवस्तु का

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

गौतम बुद्ध ने चतुर्थ आर्य सत्य में दु:ख निरोध का उपाय बताया। इसे 'दु:ख निरोध गामिनी प्रतिपदा' कहा जाता है। इसे 'मध्यमा प्रतिपदा' या मध्यम मार्ग भी कहते हैं। इस मध्यमा प्रतिपदा में आठ सोपान हैं, इसलिए इसे 'अष्टांगिक मार्ग' भी कहते हैं। ये आठों सोपान हैं–सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वाक्, सम्यक् कर्मांत, सम्यक् आजीव, सम्यक् व्यायाम, सम्यक् स्मृति एवं सम्यक् समाधि। अष्टांगिक मार्ग धर्मचक्रप्रवर्तन सुत्त की विषयवस्तु का अंग है।

60. गौतम बुद्ध के बारे में निम्न में से क्या सत्य है?

1. वे कर्म में विश्वास करते थे।

2. आत्मा का शरीर में परिवर्तन मानते थे।

3. निर्वाण प्राप्ति में विश्वास करते थे।

4. ईश्वर की सत्ता में विश्वास करते थे।

निम्न कूटों में से सही उत्तर चुनिए–

(a) केवल 1, 2, 3 सही हैं। (b) 1, 2 सही हैं।

(c) केवल 1 सही है। (d) सभी चारों सही हैं।

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(*)

महात्मा बुद्ध कर्म सिद्धांत में विश्वास करते थे। वे आत्मा में विश्वास न करते हुए भी पुनर्जन्म में विश्वास करते थे। बुद्ध के अनुसार, चेतना (कर्मफल) का पुनर्जन्म होता है। वे निर्वाण प्राप्ति में भी विश्वास करते थे, किंतु ईश्वर की सत्ता में वे विश्वास नहीं करते थे। अत: कथन (1) और (3) सही हैं, जो किसी विकल्प में नहीं है।

61. बौद्ध संघ में भिक्षुणी के रूप में स्त्रियों के प्रवेश की अनुमति बुद्ध द्वारा दी गई थी-

(a) श्रावस्ती में (b) वैशाली में

(c) राजगृह में (d) कुशीनगर में

U.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

अपने प्रिय शिष्य आनंद के कहने पर बुद्ध ने वैशाली में स्त्रियों को बौद्ध संघ में भिक्षुणी के रूप में प्रवेश की अनुमति प्रदान की थी। बौद्ध संघ में सर्वप्रथम शामिल होने वाली स्त्री महाप्रजापति गौतमी थीं।

62. 'त्रिपिटक' क्या है?

(a) गांधीजी के तीन बंदर

(b) ब्रह्मा, विष्णु, महेश

(c) महावीर के तीन नगीने

(d) बुद्ध के उपदेशों का संग्रह

U.P. Lower Sub. (Pre) 2003

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(d)

'त्रिपिटक' बौद्ध ग्रंथों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों में बांटा गया, इन्हीं को त्रिपिटक कहते हैं। ये हैं-विनय पिटक (संघ संबंधी नियम तथा आचार की शिक्षाएं), सुत्त पिटक (धार्मिक सिद्धांत) तथा अभिधम्म पिटक (दार्शनिक सिद्धांत)।

63. 'त्रिपिटक' ग्रंथ किस धर्म से संबंधित है?

(a) वैदिक धर्म (b) बौद्ध धर्म

(c) जैन धर्म (d) शैव धर्म

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

64. त्रिपिटक किसकी धार्मिक पुस्तक है?

(a) जैन (b) हिन्दू

(c) पारसी (d) बौद्ध

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) Exam. 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

65. त्रिपिटक निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(a) जैनियों से (b) बौद्धों से

(c) सिक्खों से (d) हिंदुओं से

M.P. P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. निम्नलिखित में से किस बौद्ध ग्रंथ में संघ जीवन के नियम प्राप्त होते हैं?

(a) दीघ निकाय (b) विनय पिटक

(c) अभिधम्म पिटक (d) विभाषा शास्त्र

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. 'यमक' बुद्ध 'पिटक' से संबंधित है-

(a) सुत्त (b) विनय

(c) अभिधम्म (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

अभिधम्म पिटक में दार्शनिक सिद्धांतों का संग्रह मिलता है। यह प्रश्नोत्तर के रूप में है। अभिधम्म के अंतर्गत सात ग्रंथ सम्मिलित हैं- धम्मसंगणि, विभंग, धातुकथा, पुग्गल पंचति, कथावत्थु, यमक तथा पट्ठान।

Scanned with OKEN Scanner

68. निम्न में से किस बौद्ध साहित्य में महात्मा बुद्ध के 'नैतिक एवं सिद्धांत' संबंधित प्रवचन संकलित हैं?

(a) विनय पिटक (b) जातक कथाएं

(c) अभिधम्म पिटक (d) सुत्त पिटक

M.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर−(d)

सुत्त पिटक में महात्मा बुद्ध के 'नैतिक एवं सिद्धांत' संबंधित प्रवचन संकलित हैं अर्थात इसमें बौद्ध धर्म के सिद्धांत एवं उपदेश संग्रह हैं, जबकि विनय पिटक में संघ संबंधी नियम तथा दैनिक जीवन संबंधी आचार-विचारों, विधि निषेधों आदि का संग्रह है। जातकों में बुद्ध के पूर्व जन्मों की कहानियां संगृहीत हैं।

69. बौद्ध धर्म में 'त्रिरत्न' का क्या अभिप्राय है?

(a) त्रिपिटक (b) बुद्ध, धम्म, संघ

(c) शील, समाधि, संघ (d) सत्य, अहिंसा, करुणा

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर−(b)

बुद्ध, धम्म एवं संघ बौद्ध धर्म के 'त्रिरत्न' हैं। बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों में बांटा गया, इन्हीं को त्रिपिटक कहा जाता है। ये हैं- विनय पिटक, सुत्त पिटक तथा अभिधम्म पिटक।

70. प्राचीन भारत के बौद्ध मठों में, पवरन नामक समारोह आयोजित किया जाता था, जो−

(a) संघपरिनायक और धर्म तथा विनय विषयों पर एक-एक वक्ता को चुनने का अवसर होता था।

(b) वर्षा ऋतु के दौरान मठों में प्रवास के समय भिक्षुओं द्वारा किए गए अपराधों की स्वीकारोक्ति का अवसर होता था।

(c) किसी नए व्यक्ति को बौद्ध संघ में प्रवेश देने का समारोह होता था, जिसमें उसका सिर मुंडवा दिया जाता था और पीले वस्त्र दिए जाते थे।

(d) आषाढ़ की पूर्णिमा के अगले दिन बौद्ध भिक्षुओं के एकत्र होने का अवसर होता था, जब वे वर्षा ऋतु के आगामी चार महीनों के लिए निश्चित आवास चुनते थे।

I.A.S. (Pre) 2002

उत्तर−(b)

वर्षा ऋतु के समय चार महीने बौद्ध भिक्षु बौद्ध महाविहारों में निवास करते थे। इस समय धर्म प्रचार का कार्य स्थगित रहता था। वर्षा ऋतु की समाप्ति पर जब पुनः धर्म प्रचार कार्य प्रारंभ होता था, तो बौद्ध भिक्षु पवरन नामक समारोह आयोजित करते थे, जिसमें पीछे किए गए कार्यों पर विचार करते हुए आगे की कार्ययोजना बनाई जाती थी। इसके अतिरिक्त भिक्षु इस समारोह में अपने द्वारा किए गए अपराधों को स्वीकार करते थे।

71. अशोकाराम विहार निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित था?

(a) वैशाली (b) पाटलिपुत्र

(c) कौशाम्बी (d) श्रावस्ती

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर−(b)

प्रसिद्ध बौद्ध ग्रंथ महावंश के अनुसार, मौर्य शासक अशोक ने पाटलिपुत्र में अशोकाराम विहार को निर्मित करवाया था। इस विहार का निर्माण इंद्रगुप्त नामक थेर भिक्षु के निरीक्षण में हुआ था। तीसरी बौद्ध संगीति (सभा) भी अशोक के समय में हुई थी।

72. विश्व का सबसे ऊंचा कहा जाने वाला 'विश्व शांति स्तूप' बिहार में कहां है?

(a) वैशाली (b) नालंदा

(c) राजगीर (d) पटना

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर−(c)

बिहार में राजगीर की पहाड़ियों (400 मीटर की ऊंचाई) पर स्थित 'शांति स्तूप' विश्व का सबसे ऊंचा कहा जाने वाला 'विश्व शांति स्तूप' है।

73. बुद्ध की 80 फुट बड़ी प्रतिमा जो बोधगया में है, निर्मित की गई थी−

(a) जापानियों के द्वारा (b) थाई लोगों के द्वारा

(c) श्रीलंकाइयों के द्वारा (d) भूटानियों के द्वारा

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1993

उत्तर−(a)

बुद्ध की 80 फुट ऊंची बोधगया में स्थित प्रतिमा लाल ग्रेनाइट एवं बलुई पत्थरों से निर्मित है, जिसके निर्माण में 7 वर्ष का समय लगा। यह प्रतिमा जापान के दाईजोकियो संप्रदाय के सहयोग द्वारा निर्मित की गई थी।

74. सर्वप्रथम 'स्तूप' शब्द कहां मिलता है?

(a) ऋग्वेद (b) जातक कथा

(c) अर्थशास्त्र (d) अष्टाध्यायी

(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर−(a)

सर्वप्रथम 'स्तूप' शब्द का वर्णन ऋग्वेद में प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त अथर्ववेद, वाजसनेयी संहिता, तैत्तरीय ब्राह्मण संहिता, पंचविंश ब्राह्मण आदि ग्रंथों से 'स्तूप' के संबंध में जानकारी मिलती है। स्तूप का शाब्दिक अर्थ है−'किसी वस्तु का ढेर'।

Scanned with OKEN Scanner

75. वह स्तूप-स्थल, जिसका संबंध भगवान बुद्ध के जीवन की किसी घटना से नहीं रहा है, वह है :

(a) सारनाथ (b) सांची

(c) बोधगया (d) कुशीनारा

U.P.P.C.S. (Mains) 2011

U.P.P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(b)

बोधगया का स्तूप-स्थल बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति से, सारनाथ धर्मचक्रप्रवर्तन से तथा कुशीनगर या कुशीनारा बुद्ध की मृत्यु से संबंधित है, जबकि सांची बुद्ध के जीवन की किसी विशेष घटना से संबंधित नहीं है।

76. निम्नलिखित स्तूपों का सही तैथिक क्रम (कालानुक्रम) क्या है?

(a) भरहुत, सांची, अमरावती, धमेख

(b) अमरावती, सांची, भरहुत, धमेख

(c) सांची, अमरावती, भरहुत, धमेख

(d) धमेख, भरहुत, अमरावती, सांची

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(*)

भरहुत एवं सांची के स्तूप की स्थापना मौर्य शासक अशोक के शासनकाल में हुई थी। धमेख स्तूप की संरचना का निर्माण मूलतः अशोक के शासनकाल में हुआ जिसे गुप्तकाल (500 ई.) में प्रतिस्थापित कर वर्तमान स्तूप बना। अमरावती स्तूप का निर्माण सातवाहन के समय में हुआ था। भरहुत, सांची एवं धमेख स्तूप के निर्माण क्रम निर्धारित करना संभव नहीं है।

77. अनात्मवाद सिद्धांत है–

(a) सांख्य का (b) वेदांत का

(c) बौद्ध दर्शन का (d) जैन दर्शन का

(c) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

बौद्ध दर्शन में अनात्मवाद का सिद्धांत गौतम बुद्ध के प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धांत से ही सिद्ध होता है। इसे नैरात्मवाद भी कहा जाता है। कुछ विचारकों के मतानुसार, अनात्मवाद का सिद्धांत केवल आत्मा पर लागू होता है। वस्तुतः इससे आत्मा और भौतिक जगत दोनों की ही व्याख्या होती है। जब गौतम बुद्ध 'सर्वं अनात्मकम्' कहते हैं, तो इसका अर्थ है कि किसी नित्य चेतन या जड़ तत्व का अस्तित्व नहीं है। न तो आत्मा नामक नित्य द्रव्य का अस्तित्व है और न भौतिक पदार्थ नामक जड़ द्रव्य का। द्रव्यता, एकता, तादात्म्य एवं नित्यता आदि कल्पना मात्र है।

78. 'संसार अस्थिर और क्षणिक है' का निम्न में किससे संबंध है?

(a) बौद्ध (b) जैन

(c) गीता (d) वेदांत

U.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(a)

बौद्ध दर्शन में क्षणिकवाद को स्वीकार किया गया है। बुद्ध ने स्वयं अनित्यवाद के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था। क्षणिकवाद अनित्यतावाद का तार्किक विकास है, जो बौद्धोत्तर दर्शन में अस्तित्व में आया। क्षणिकवाद के अनुसार, विश्व की प्रत्येक वस्तु का अस्तित्व क्षणमात्र के लिए ही रहता है। जिस प्रकार नदी की एक बूंद एक क्षण के लिए सामने आती है तथा दूसरे क्षण वह विलीन हो जाती है, उसी प्रकार जगत की समस्त वस्तुएं क्षणमात्र के लिए ही अपना अस्तित्व कायम रखती हैं।

79. निम्नलिखित में से किसे 'एशिया के ज्योति पुंज' के तौर पर जाना जाता है?

(a) गौतम बुद्ध को (b) महात्मा गांधी को

(c) महावीर स्वामी को (d) स्वामी विवेकानंद को

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(a)

गौतम बुद्ध को 'एशिया के ज्योति पुंज' के तौर पर जाना जाता है। गौतम बुद्ध के जीवन पर एडविन अर्नाल्ड ने 'The Light of Asia' नामक काव्य पुस्तक की रचना की थी।

80. निम्नांकित में से किसे 'एशिया का ज्योति पुंज' नाम से जाना जाता है?

(a) ईसा मसीह (b) भगवान बुद्ध

(c) पैगम्बर मुहम्मद (d) जरथुस्ट

Uttaranchal P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

81. नव-बौद्धवाद के प्रतिपादक कौन हैं?

(a) राधाकृष्णनन् (b) टैगोर

(c) अंबेडकर (d) विवेकानंद

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(c)

भीमराव अंबेडकर द्वारा बौद्ध धर्म की पुनर्व्याख्या करते हुए इसे नव-बौद्धवाद की संज्ञा दी गई, जिसे प्रायः नवयान भी कहा जाता है। नव-बौद्धवाद आंदोलन के अंतर्गत अंबेडकर ने मुख्यतः दलित वर्ग को बौद्ध धर्म के अंतर्गत समाहित करने का प्रयास किया। इस संदर्भ में उनके द्वारा प्रतिपादित 22 प्रतिज्ञाओं का विशेष महत्व है।

Scanned with OKEN Scanner

82. 'क्षणिकवाद' का प्रतिपादन किसने किया?
(a) बुद्ध (b) जैन
(c) चार्वाक (d) न्याय
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(a)

'क्षणिकवाद' का सिद्धांत बौद्ध दर्शन से संबंधित है। क्षणिकवाद अनित्यतावाद का तार्किक विकास है, जो बौद्धोत्तर दर्शन में अस्तित्व में आया। बुद्ध के अनुसार, संसार में कुछ भी स्थायी या नित्य नहीं है, यहां तक कि आत्मा की भी नित्य सत्ता नहीं है। यह उल्लेखनीय है कि गौतम बुद्ध ने स्वयं अस्थायित्व एवं क्षणिकत्व में भेद किया है। उन्होंने आत्मा को क्षणिक तथा भौतिक वस्तुओं को अनित्य कहा।

83. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, 'पारमिता' शब्द का सही विवरण निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(a) सूत्र पद्धति में लिखे गए प्राचीनतम धर्मशास्त्र पाठ
(b) वेदों के प्राधिकार को अस्वीकार करने वाले दार्शनिक संप्रदाय
(c) परिपूर्णताएं जिनकी प्राप्ति से बोधिसत्व पथ प्रशस्त हुआ
(d) आरंभिक मध्यकालीन दक्षिण भारत की शक्तिशाली व्यापारी श्रेणियां

I.A.S. (Pre) 2020

उत्तर–(c)

बौद्ध धर्म में बोधिसत्वों को बुद्धत्व प्राप्त करने के लिए पारमिता नामक विशिष्ट साधना का वर्णन किया गया है। पारमिता ही एक मात्र ऐसा साधन है, जिसके द्वारा बुद्ध की मान्य पदवी 'बुद्धत्व' की प्राप्ति की जा सकती है। बोधिचर्यावतार में आचार्य शांतिदेव कहते हैं कि जो साधक बुद्धत्व की प्राप्ति के लिए यत्नवान है अर्थात जो बोधिसत्व है, उसे षट्पारमिताओं (दान पारमिता, शील पारमिता, क्षान्ति पारमिता, वीर्य पारमिता, ध्यान पारमिता तथा प्रज्ञा पारमिता) को ग्रहण करना चाहिए। इन षट्पारमिताओं में प्रज्ञा पारमिता का प्राधान्य है।

84. सर एडविन अर्नाल्ड की पुस्तक 'द लाइट ऑफ एशिया' आधारित है–
(a) दिव्यावदान पर (b) ललितविस्तार पर
(c) सुत्तपिटक पर (d) अभिधम्मपिटक पर

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(b)

सर एडविन अर्नाल्ड की पुस्तक 'द लाइट ऑफ एशिया' ललितविस्तार के विषय-वस्तु पर आधारित है। इस पुस्तक का प्रकाशन 1879 ई. में लंदन में किया गया।

85. बौद्ध धर्म के महायान और हीनयान संप्रदायों में सर्वाधिक मौलिक अंतर निम्नलिखित में कौन-सा है?
(a) अहिंसा पर बल (b) जाति रहित समाज
(c) देवी-देवताओं की पूजा (d) स्तूप पूजा

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

बौद्ध धर्म के हीनयान और महायान संप्रदायों में सर्वाधिक मौलिक अंतर देवी-देवताओं की पूजा था। हीनयान में बुद्ध को एक महापुरुष माना जाता था, जबकि महायान में उन्हें देवता माना गया तथा उनकी पूजा की जाने लगी। इसी के साथ ही अनेक बोधिसत्वों की भी पूजा की जाने लगी।

86. गौतम बुद्ध को एक देवता का स्थान किस राजा के युग में प्राप्त हुआ?
(a) अशोक (b) कनिष्क
(c) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (d) हर्ष

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(b)

कनिष्क के शासनकाल में संपन्न चतुर्थ बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म हीनयान एवं महायान नामक दो स्पष्ट एवं स्वतंत्र संप्रदायों में विभक्त हो गया। महायान शाखा में बुद्ध को देवता माना गया तथा उनकी पूजा की जाने लगी। इस प्रकार कनिष्क के काल में बौद्ध धर्म की महायान शाखा के तहत गौतम बुद्ध को एक देवता का स्थान प्राप्त हुआ।

87. भारत में पहले जिस मानव प्रतिमाओं को पूजा गया, वह थी–
(a) ब्रह्मा की (b) विष्णु की
(c) बुद्ध की (d) शिव की

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

भारत में सबसे पहले बुद्ध की प्रतिमाओं की पूजा की गई। बौद्ध धर्म के महायान शाखा के अनुयायियों ने सर्वप्रथम बुद्ध मूर्तियां स्थापित करके उनकी पूजा प्रारंभ की।

88. देश में निम्न में से किसने मूर्ति पूजा की नींव रखी थी?
(a) जैन धर्म ने (b) बौद्ध धर्म ने
(c) आजीविकों ने (d) वैदिक धर्म ने

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त में से सर्वप्रथम मूर्ति पूजा की नींव बौद्धों के द्वारा रखी गई। महायानियों ने सर्वप्रथम बुद्ध की प्रतिमा स्थापित करके पूजा आरंभ की।

89. गांधार शैली की मूर्ति कला में बुद्ध के सारनाथ में हुए प्रथम धर्मोपदेश से संबद्ध प्रवचन मुद्रा का नाम है–
(a) अभय (b) ध्यान

Scanned with OKEN Scanner

(c) धर्मचक्र (d) भूमिस्पर्श

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर–(c)

गांधार कला की उत्पत्ति का स्रोत एशिया माइनर तथा हैलेनिस्टिक कला थी। इस शैली की कला का प्रमुख विषय महात्मा बुद्ध का जीवन चरित है। इसके अंतर्गत बुद्ध की धर्मचक्र मुद्रा, ध्यान मुद्रा, अभय मुद्रा और वरद मुद्रा आदि मूर्तियों का निर्माण किया गया है।

90. बुद्ध की खड़ी प्रतिमा निम्न में से किस काल में बनाई गई?

(a) गुप्त काल (b) कुषाण काल

(c) मौर्य काल (d) गुप्तोत्तर काल

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(b)

कुषाण काल में ही गांधार एवं मथुरा कला शैली के तहत बुद्ध एवं बोधिसत्वों की बहुसंख्यक मूर्तियों का (बैठी एवं खड़ी स्थिति में) निर्माण हुआ। वी.एस. अग्रवाल के मतानुसार, सर्वप्रथम मथुरा में ही बुद्ध मूर्तियों का निर्माण किया गया, जहां इनके लिए पर्याप्त आधार था। ह्वेनसांग के विवरण के अनुसार बुद्ध की प्रथम प्रतिमा कौशाम्बी में बनी थी, परंतु अनेक विद्वान महात्मा बुद्ध की प्रथम प्रतिमा के निर्माण का श्रेय गांधार कला को देते हैं। अतः निश्चित तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि बुद्ध की प्रथम प्रतिमा कहां बनी।

91. बुद्ध की प्राचीनतम प्रतिमा किस शैली में प्राप्त होती है?

(a) गांधार शैली (b) मथुरा शैली

(c) मौर्य शैली (d) गुप्त शैली

(c) उपर्युक्त में से कोई नहीं / उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. Re-Exam 2020

उत्तर–(e)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

92. भगवान बुद्ध की प्रतिमा कभी-कभी एक हस्त मुद्रा युक्त दिखाई गई है, जिसे 'भूमिस्पर्श मुद्रा' कहा जाता है। यह किसका प्रतीक है?

(a) मार पर दृष्टि रखने एवं अपने ध्यान में विघ्न डालने से मार को रोकने के लिए बुद्ध का धरती का आह्वान।

(b) मार के प्रलोभनों के बावजूद अपनी शुचिता और शुद्धता का साक्षी होने के लिए बुद्ध का धरती का आह्वान।

(c) बुद्ध का अपने अनुयायियों को स्मरण कराना कि वे सभी धरती से उत्पन्न होते हैं और अंततः धरती में विलीन हो जाते हैं, अतः जीवन संक्रमणशील है।

(d) इस संदर्भ में दोनों ही कथन (a) एवं (b) सही हैं।

I.A.S. (Pre) 2012

उत्तर–(b)

बुद्ध की 'भूमिस्पर्श मुद्रा' से तात्पर्य अपने तप की शुचिता और निरंतरता को बनाए रखने से है। बुद्ध की 'भूमिस्पर्श मुद्रा' मार (कामदेव) के प्रलोभनों के बावजूद अपनी शुचिता और शुद्धता का साक्षी होने के लिए बुद्ध का धरती का आह्वान को प्रदर्शित करती है।

93. भूमिस्पर्श मुद्रा की सारनाथ बुद्ध मूर्ति संबंधित है–

(a) मौर्य काल से (b) शुंग काल से

(c) कुषाण काल से (d) गुप्त काल से

U.P.P.C.S.(Mains)2009

उत्तर–(d)

भूमिस्पर्श मुद्रा की सारनाथ की बुद्ध मूर्ति गुप्त काल से संबंधित है। इसकी आध्यात्मिक अभिव्यक्ति, गंभीर मुस्कान एवं शांत ध्यानमग्न मुद्रा भारतीय कला की सर्वोच्च सफलता का प्रदर्शन करती है।

94. सारनाथ की भूमि स्पर्श मुद्रा वाली बुद्ध प्रतिमा कालांकित है–

(a) कुषाण काल से (b) गुप्त काल से

(c) वर्द्धन काल से (d) राजपूत काल से

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Pre) 2010

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Mains) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

95. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए-

1. परिव्राजक - परित्यागी व भ्रमणकारी

2. श्रमण - उच्च पद प्राप्त पुजारी

3. उपासक - बौद्ध धर्म का साधारण अनुगामी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2020

उत्तर–(b)

सही सुमेलन है-

परिव्राजक - परित्यागी व भ्रमणकारी

श्रमण - भिक्षु/साधु

उपासक - बौद्ध धर्म का साधारण अनुगामी

96. निम्नलिखित में से कौन-से शासक ने बौद्धमत के विस्तार में योगदान नहीं दिया?

(a) हर्षवर्धन (b) कनिष्क

(c) अशोक (d) पुष्यमित्र शुंग

Chhattisgarh P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

अशोक, कनिष्क और हर्षवर्धन ने बौद्ध धर्म के विकास में योगदान दिया, जबकि शुंग वंश के संस्थापक पुष्यमित्र शुंग ने मगध साम्राज्य पर अधिकार जमाकर जहां एक ओर यवनों के आक्रमण से देश की रक्षा की, वहीं दूसरी ओर देश में शांति और व्यवस्था की स्थापना कर वैदिक धर्म एवं आदर्शों की, जो अशोक के शासनकाल में उपेक्षित हो गए थे, पुनः प्रतिष्ठा की। इसी कारण उसका काल वैदिक प्रतिक्रिया अथवा वैदिक पुनर्जागरण का काल भी कहा जाता है।

97. निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें–

कथन (A) : कुशीनगर मल्ल गणराज्य की राजधानी थी।

कारण (R) : महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण कुशीनगर में हुआ था।

कूट–

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) दोनों (A) और (R) सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P.P.C.S. (Spl.) (Pre) 2004

उत्तर–(b)

बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तर निकाय में वर्णित षोडश महाजनपदों में से 'मल्ल' एक महाजनपद था। यह एक संघ राज्य था, जिसमें पावा (फाजिलनगर) या पावा (उस्मानपुर) तथा कुशीनारा (कसया) मल्ल गणराज्य की जुड़वां राजधानी थीं। महात्मा बुद्ध को महापरिनिर्वाण कुशीनगर में प्राप्त हुआ। अतः दोनों कथन सही हैं, किंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

98. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

1. लोथल	:	**प्राचीन गोदी क्षेत्र**
2. सारनाथ	:	**बुद्ध का प्रथम धर्मोपदेश**
3. राजगीर	:	**अशोक का सिंह स्तंभ शीर्ष**
4. नालंदा	:	**बौद्ध अधिगम का महान पीठ**

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 3 और 4

(c) 1, 2 और 4 (d) 1 और 2

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(c)

सैंधव पुरास्थल लोथल (गुजरात) से गोदीवाड़ा के अवशेष मिले हैं। सारनाथ (वाराणसी) में महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम धर्मोपदेश (धर्मचक्रप्रवर्तन) दिया था। नालंदा बौद्ध अधिगम का महान पीठ था, यहां कुमारगुप्त I के शासनकाल में विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। अशोक का सिंह स्तंभ शीर्ष राजगीर में नहीं बल्कि सारनाथ में स्थित है।

99. महायान बौद्ध धर्म में बोधिसत्व अवलोकितेश्वर को और किस अन्य नाम से जानते हैं?

(a) वज्रपाणि (b) मंजुश्री

(c) पद्मपाणि (d) मैत्रेय

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

बौद्ध दर्शन में यह माना गया है कि बोधिसत्वों में अवलोकितेश्वर की स्थिति महिमामंडित है। उन लोगों ने यह निश्चय किया था कि वे तब तक बुद्ध नहीं बनेंगे, जब तक कि सभी मनुष्यों को निर्वाण नहीं प्राप्त हो जाता। वस्तुतः बौद्ध धर्म पर हिंदू धर्म का प्रभाव परिलक्षित होता है। 'अवलोकितेश्वर' नारायण या 'पद्मपाणि' विष्णु का भी एक नाम है।

100. भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. स्थविरवादी महायान बौद्ध धर्म से संबद्ध हैं।

2. लोकोत्तरवादी संप्रदाय बौद्ध धर्म के महासंघिक संप्रदाय की एक शाखा थी।

3. महासंघिकों द्वारा बुद्ध के देवत्वारोपण ने महायान बौद्ध धर्म को प्रोत्साहित किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2020

उत्तर–(b)

परंपरागत नियम में आस्था रखने वालों का संप्रदाय 'स्थविर' या 'थेरावादी' कहलाया। स्थविरवाद बौद्ध धर्म के हीनयान शाखा से संबद्ध है। इसका नेतृत्व महाकच्चायन ने किया। परिवर्तन के साथ नियम को स्वीकार करने वालों का संप्रदाय 'महासांघिक' कहलाया तथा इनका नेतृत्व महाकस्सप ने किया। लोकोत्तरवादी संप्रदाय बौद्ध धर्म के महासांघिक संप्रदाय की एक शाखा थी। बौद्ध धर्म में लोकोत्तरवाद निकाय अठारह निकायों में से एक है।

101. भारतीय इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन भावी बुद्ध है, जो संसार की रक्षा हेतु अवतरित होंगे?

(a) अवलोकितेश्वर (b) लोकेश्वर

(c) मैत्रेय (d) पद्मपाणि

I.A.S. (Pre) 2018

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

बौद्ध मान्यताओं के अनुसार, मैत्रेय एक बोधिसत्व है, जो पृथ्वी पर भविष्य में अवतरित होंगे और बुद्धत्व प्राप्त करेंगे तथा विशुद्ध धर्म की शिक्षा देंगे। मैत्रेय के अवतरण की भविष्यवाणी ऐसे समय के लिए की गई है, जब इस लोक में अनैतिकता - अनाचार इतना बढ़ जाएगा कि मानव जीवन असुरक्षित होता दिखेगा, सुरक्षा के लिए लोग इधर-उधर भटकेंगे। सर्वत्र त्राहि-त्राहि मच जाएगी और मानव जीवन संघर्षमय बनता दिखेगा। ऐसे आपातकाल में 'बोधिसत्व मैत्रेय' इस भूतल पर भविष्य के बुद्ध के रूप में अवतार लेंगे। वह पुनः बौद्ध धर्म की संस्थापना करेंगे और सभी मानवों को सुख, शांति एवं समृद्धि प्रदान करेंगे।

102. भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. बोधिसत्व, बौद्धमत के हीनयान संप्रदाय की केंद्रीय संकल्पना है।

2. बोधिसत्व अपने प्रबोध के मार्ग पर बढ़ता हुआ करुणामय है।

3. बोधिसत्व समस्त सचेतन प्राणियों को उनके प्रबोध के मार्ग पर चलने में सहायता करने के लिए स्वयं की निर्वाण प्राप्ति विलंबित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 2 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

बोधिसत्व बौद्धमत के महायान संप्रदाय का आदर्श एवं केंद्रीय संकल्पना है। बौद्ध धर्म में बोधिसत्व, सत्व के लिए प्रबुद्ध (शिक्षा दिए हुए) को कहते हैं। पारंपरिक रूप से महान दया से प्रेरित, बोधिचित्त जनित, सभी संवेदनशील प्राणियों के लाभ के लिए सहज इच्छा से बुद्धत्व प्राप्त करने वाले को बोधिसत्व माना जाता है। दस पारमिताओं का पूर्ण पालन करने वाला बोधिसत्व कहलाता है। बुद्ध बनना ही बोधिसत्व के जीवन की पराकाष्ठा है। बौद्ध धर्म का अंतिम लक्ष्य संपूर्ण मानव समाज से दुःख का अंत है। बौद्ध धर्म के अनुसार चार आर्य सत्य हैं–1. दुःख, 2. दुःख समुदय, 3. दुःख निरोध तथा 4. दुःख निरोध का मार्ग। बौद्ध धर्म के अनुयायी अष्टांगिक मार्ग के अनुसार, जीवन जीकर अज्ञानता और दुःख से मुक्ति और निर्वाण पाने की कोशिश करते हैं।

103. बोधिसत्व पद्मपाणि का चित्र सर्वाधिक प्रसिद्ध और प्रायः चित्रित चित्रकारी है, जो -

(a) अजंता में है। (b) बदामी में है।

(c) बाघ में है। (d) एलोरा में है।

I.A.S. (Pre) 2017

उत्तर–(a)

अजंता गुहा श्रेणियों में स्थित गुफा संख्या 1 की बोधिसत्व पद्मपाणि का चित्र चित्रकला की श्रेष्ठ कला कृतियों में से एक है। इसे छठी शताब्दी ई. के अंत में निष्पादित किया गया था। चित्र में बोधिसत्व पद्मपाणि ने राजसी शैली में एक नीलम जड़ित मुकुट पहना हुआ है, उनके लंबे काले बाल मनोहारी रूप से झुके हैं। रमणीय रीति से अलंकृत यह आकृति आदमकद से भी बड़ी है और इसमें उनका दाहिना हाथ कुछ-कुछ रुका हुआ तथा कमल के पुष्प को पकड़े हुए दर्शाया गया है।

104. हीनयान अवस्था का विशालतम एवं सर्वाधिक विकसित शैलकृत चैत्यगृह स्थित है–

(a) पीतलखोरा में (b) जुन्नार में

(c) कार्ले में (d) बेडसा में

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर–(c)

हीनयान अवस्था का विशालतम एवं सर्वाधिक विकसित शैलकृत चैत्यगृह कार्ले में स्थित है। यह पुणे (महाराष्ट्र) के मावल तालुका में स्थित है।

105. निम्नलिखित में से किस शैलकृत गुफा में ग्यारह सिरों के बोधिसत्व का अंकन मिलता है?

(a) अजंता (b) एलोरा

(c) कन्हेरी (d) कार्ले

U.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

सलसेती द्वीप पर स्थित कन्हेरी गुफाएं महाराष्ट्र के मुंबई शहर में स्थिति प्रमुख पर्यटन स्थल हैं। ये गुफाएं संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान परिसर में स्थित हैं। प्राचीन अभिलेखों में कान्हाशैल, कृष्णगिरी, कान्हा-गिरी के नाम से उल्लिखित कन्हेरी बौद्धों का प्रमुख केंद्र था। कन्हेरी में एक ही पहाड़ी में सर्वाधिक संख्या में गुफाओं का निर्माण हुआ है। कन्हेरी की गुफाओं का निर्माण पहली शताब्दी ई.पू. में किया गया था और ये 11वीं शताब्दी ईस्वी तक इस्तेमाल में रहीं। गुफा संख्या 41 (पहले इसे 23 नंबर क्रमांकित किया गया था) में अवलोकितेश्वर की एक रोचक मूर्ति स्थित है, जिसकी चार भुजाएं और ग्यारह मुख हैं। यह अपनी किस्म की भारत में स्थित एकमात्र मूर्ति है। इस रूप की उपासना चीन, चीनी तुर्किस्तान, कंबोडिया तथा जापान में 7वीं- 8वीं सदी में लोकप्रिय थी।

106. 'विशुद्धिमग्ग' के रचयिता कौन हैं?

(a) नागार्जुन (b) पद्मसंभव

(c) वसुबंधु (d) बुद्धघोसा

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

विशुद्धिमग्ग (शुद्धि का मार्ग), थेरवाद बौद्ध सिद्धांत पर रचित महान ग्रंथ है, जिसके रचयिता बुद्धघोसा हैं।

107. प्रथम शताब्दी ईस्वी में किस भारतीय बौद्ध भिक्षुक को चीन भेजा गया था?

(a) असंग (b) अश्वघोष

(c) वसुमित्र (d) नागार्जुन

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर–(d)

नागार्जुन कनिष्क के दरबार की एक महान विभूति थे। उन्होंने अपनी पुस्तक 'माध्यमिककारिका' में सापेक्षता सिद्धांत को प्रस्तुत किया। चीनी मान्यता के अनुसार, नागार्जुन ने चीन की यात्रा कर वहां बौद्ध शिक्षा प्रदान की थी।

108. शून्यता के सिद्धांत का सर्वप्रथम प्रतिपादन करने वाले बौद्ध दार्शनिक का नाम है–

(a) नागार्जुन (b) नागसेन

(c) आनंद (d) अश्वघोष

U.P.P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(a)

माध्यमिक या शून्यवाद मत के प्रवर्तक नागार्जुन हैं, जिनकी प्रसिद्ध रचना 'माध्यमिककारिका' है। इसे सापेक्षवाद भी कहा जाता है। जिसके अनुसार, प्रत्येक वस्तु किसी-न-किसी कारण से उत्पन्न हुई है और वह उन पर निर्भर है। नागार्जुन ने 'प्रतीत्यसमुत्पाद' को ही शून्यता कहा है।

109. नागार्जुन किस बौद्ध संप्रदाय के थे?

(a) सौत्रांतिक (b) वैभाषिक

(c) माध्यमिक (d) योगाचार

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

110. भारतीय इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

ऐतिहासिक व्यक्ति		किस रूप में जाने गए
1. आर्यदेव	-	जैन विद्वान
2. दिग्नाग	-	बौद्ध विद्वान
3. नाथमुनि	-	वैष्णव विद्वान

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) कोई भी युग्म नहीं

(b) केवल एक युग्म

(c) केवल दो युग्म

(d) सभी तीन युग्म

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर–(c)

आर्यदेव बौद्ध दार्शनिक थे, जो बौद्ध दार्शनिक नागार्जुन के शिष्य थे। दिग्नाग बौद्ध विचारक थे, उन्होंने 'प्रमाणसमुच्चय' नामक ग्रंथ की रचना की थी। नाथमुनि वैष्णव विद्वान थे, इन्हें श्री वैष्णव संप्रदाय का पहला आचार्य माना जाता है।

111. बौद्ध शिक्षा का केंद्र है–

(a) विक्रमशिला (b) वाराणसी

(c) गिरनार (d) उज्जैन

M.P.P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर–(a)

प्राचीन काल में बौद्ध शिक्षा के तीन प्रमुख केंद्र थे–(1) नालंदा, (2) वल्लभी और (3) विक्रमशिला। नालंदा बिहार के आधुनिक पटना के दक्षिण में लगभग 40 मील की दूरी पर आधुनिक बड़गांव नामक ग्राम के समीप स्थित था। यह महायान बौद्ध धर्म की शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। वल्लभी गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र में आधुनिक 'वल' नामक स्थान पर स्थित पश्चिम भारत में शिक्षा एवं संस्कृति का प्रमुख केंद्र था। यह हीनयान बौद्ध धर्म की शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। विक्रमशिला बिहार के आधुनिक भागलपुर से 24 मील पूर्व की ओर पथरघाट नामक पहाड़ी पर स्थित था। विक्रमशिला के महाविहार की स्थापना पाल नरेश धर्मपाल (770-810 ई.) ने की थी। उसने यहां मंदिर तथा मठ भी बनवाए थे। वाराणसी हिंदू संस्कृति एवं धार्मिक शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। गिरनार गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित है। बुद्ध के समय में उज्जैन अवंति राज्य की राजधानी थी।

112. वल्लभी विश्वविद्यालय स्थित था–

(a) बिहार में (b) उत्तर प्रदेश में

(c) बंगाल में (d) गुजरात में

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

113. नालंदा विश्वविद्यालय के स्थापन का युग है–

(a) मौर्य (b) कुषाण

(c) गुप्त (d) पाल

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

नालंदा एक विख्यात बौद्ध पीठ एवं विश्वविद्यालय था। यह बिहार में राजगीर के निकट स्थित था। पांचवीं शताब्दी के मध्य गुप्तों के समय में नालंदा महाविहार (विश्वविद्यालय) अस्तित्व में आया। सर्वप्रथम कुमारगुप्त I ने नालंदा बौद्ध विहार को दान दिया और बाद में बुधगुप्त, तथागतगुप्त तथा बालादित्य नामक गुप्त शासकों ने भी इस विहार को दान दिए।

114. नालंदा विश्वविद्यालय के संस्थापक कौन थे?

(a) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (b) कुमारगुप्त

(c) धर्मपाल (d) पुष्यगुप्त

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

ह्वेनसांग के अनुसार, नालंदा महाविहार (विश्वविद्यालय) का संस्थापक 'शक्रादित्य' था, जिसने बौद्ध धर्म के त्रिरत्नों के प्रति महती श्रद्धा के कारण इसकी स्थापना करवाई थी। शक्रादित्य की पहचान कुमारगुप्त प्रथम (415-455 ई.) से की जाती है, जिसकी प्रसिद्ध उपाधि 'महेंद्रादित्य' थी।

115. नालंदा विश्वविद्यालय किसलिए विश्वप्रसिद्ध था?

(a) चिकित्सा विज्ञान (b) तर्कशास्त्र

(c) बौद्ध धर्म दर्शन (d) रसायन विज्ञान

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

नालंदा महाविहार (विश्वविद्यालय) बौद्ध धर्म दर्शन के अध्ययन के लिए विश्व प्रसिद्ध था। उसी के अध्ययन के लिए चीनी यात्री ह्वेनसांग यहां आया था।

116. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, जिनमें एक कथन (A) और दूसरा कारण (R) है, दोनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें–

कथन (A) : बारहवीं शताब्दी के अंत तक नालंदा महाविहार का पतन हो गया।

कारण (R) : महाविहार को राजकीय प्रश्रय मिलना बंद हो गया था।

उपर्युक्त दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में कौन सही है?

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) दोनों (A) और (R) सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

नालंदा में एक विख्यात बौद्ध पीठ एवं विश्वविद्यालय था। यह दक्षिणी बिहार में राजगृह (वर्तमान में राजगीर) के निकट स्थित था। पांचवीं सदी के मध्य, गुप्तों के समय में नालंदा स्थित महाविहार (विश्वविद्यालय) अस्तित्व में आया। छठी शताब्दी से भारत में तंत्रवाद का विकास होता है। पाल शासक धर्मपाल ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की। आगे पाल शासकों ने तंत्रवाद की शिक्षा पर केंद्रित विक्रमशिला को अधिक महत्व दिया तथा नालंदा उपेक्षित होने लगा तथा बारहवीं शताब्दी के अंत तक उसका क्रमिक पतन होता रहा। बाद में बख्तियार खिलजी द्वारा इसे जलाकर अंतिम रूप से नष्ट कर दिया गया। इस तरह नालंदा के पतन में राजकीय प्रश्रय का अभाव भी एक कारण था।

117. 'नव नालंदा महाविहार' किसके लिए विख्यात है?

(a) ह्वेनसांग स्मारक (b) महावीर का जन्मस्थान

(c) पाली अनुसंधान संस्थान (d) संग्रहालय

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

'नव नालंदा महाविहार' बौद्ध अध्ययन का आधुनिक केंद्र है, जिसे बिहार सरकार ने वर्ष 1951 में नालंदा में स्थापित किया था। इस केंद्र में बौद्ध एवं पाली अनुसंधान संस्थान हैं। यहां बड़ी संख्या में श्रीलंका, जापान, कोरिया, तिब्बत, भूटान आदि देशों से पाली एवं बौद्ध अध्ययन पर अनुसंधान हेतु विद्यार्थी आते हैं।

118. निम्नलिखित में से कौन-से बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों में समान रूप से विद्यमान थे?

1. तप और भोग की अति का परिहार

2. वेद प्रामाण्य के प्रति अनास्था

3. कर्मकांडों की फलवत्ता का निषेध

4. प्राणियों की हिंसा का निषेध (अहिंसा)

नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 2, 3 और 4

(c) 1, 3 और 4 (d) 1 और 2

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर–(b)

तप (आत्मदमन) और भोग की अति का परिहार एवं मध्यम मार्ग का अनुसरण केवल बौद्ध धर्म में किया गया था, जैन धर्म में नहीं। जबकि वेदों की प्रामाण्यता के प्रति अनास्था, कर्मकांडों की फलवत्ता का निषेध एवं प्राणियों की हिंसा का निषेध दोनों धर्मों में किया गया है।

Scanned with OKEN Scanner

119. प्राचीन भारतीय इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों में समान रूप से विद्यमान था/थे?

1. तप और भोग की अति का परिहार
2. वेद-प्रामाण्य के प्रति अनास्था
3. कर्मकांडों की फलवत्ता का निषेध

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए :

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

120. निम्नलिखित में से कौन-सी बात बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म में समान नहीं है?

(a) अहिंसा (b) वेदों के प्रति उदासीनता

(c) आत्म दमन (d) रीति-रिवाजों की अस्वीकृति

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

121. भगवान बुद्ध ने निम्नलिखित चार आर्य सत्यों का प्रतिपादन किया। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके उन्हें सही क्रम में रखिए :

A. दुःख है। B. दुःख का निरोध है।

C. दुःख निरोध का मार्ग है। D. दुःख का कारण है।

कूट :

(a) A D B C (b) A D C B

(c) A C B D (d) A B D C

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर—(a)

संबोधि में गौतम बुद्ध को 'प्रतीत्यसमुत्पाद' के सिद्धांत का बोध हुआ था। इस कार्य-कारण सिद्धांत को उन्होंने संपूर्ण जगत पर लागू किया। सर्वप्रथम उन्होंने जिन चार आर्य सत्यों का उपदेश दिया, वे इस प्रकार हैं–

दुःख– संसार में सर्वत्र दुःख है। जीवन दुःखों एवं कष्टों से पूर्ण है।

दुःख समुदाय – प्रत्येक वस्तु का कोई-न-कोई कारण अवश्य होता है। अतः दुःख का भी कारण है।

दुःख निरोध – दुःख का अंत संभव है।

दुःख निरोधगामिनी प्रतिपदा – दुःख के मूल अविद्या के विनाश का उपाय अष्टांगिक मार्ग है।

122. बौद्ध तथा जैन दोनों ही धर्म विश्वास करते हैं कि–

(a) कर्म तथा पुनर्जन्म के सिद्धांत सही हैं।

(b) मृत्यु के पश्चात ही मोक्ष संभव है।

(c) स्त्री तथा पुरुष दोनों ही मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं।

(d) जीवन में मध्यम मार्ग सर्वश्रेष्ठ है।

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर—(a)

बुद्ध तथा महावीर दोनों ही छठी शताब्दी ई.पू. की धार्मिक क्रांति के अग्रदूत थे। इन दोनों ने वैदिक कर्मकांडों तथा वेदों की अपौरुषेयता का समान रूप से विरोध किया। अहिंसा तथा सदाचार पर दोनों ने बल दिया तथा दोनों ही कर्मवाद, पुनर्जन्म में विश्वास रखते थे।

123. बौद्ध दर्शन के अनुसार विचार कीजिए–

कथन (A) : पुनर्जन्म नहीं होता है।

कारण (R) : आत्मा की सत्ता नहीं है।

निम्नलिखित कूट से अपना उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R) सही व्याख्या है (A) की।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर—(d)

प्रतीत्यसमुत्पाद ही बुद्ध के उपदेशों का सार है। ब्राह्मण ग्रंथों द्वारा प्रतिपादित वेदों की अपौरुषेयता एवं आत्मा की अमरता के सिद्धांत को उन्होंने स्वीकार नहीं किया। परंतु आत्मा के अस्तित्व को अस्वीकार करने के बावजूद वे पुनर्जन्म तथा कर्म के सिद्धांत को मानते थे। उनके अनुसार जीवन विभिन्न अवस्थाओं की संतति है, जो एक-दूसरे पर निर्भर करती है। किसी अवस्था की उत्पत्ति उसकी पूर्ववर्ती अवस्था से होती है। स्पष्ट है कि कथन (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

124. बौद्ध धर्म के विषय में कौन-सा कथन सही है?

(1) उसने वर्ण एवं जाति को अस्वीकार नहीं किया।

(2) उसने ब्राह्मण वर्ग की सर्वोच्च सामाजिक कोटि को चुनौती दी।

(3) उसने कुछेक शिल्पों को निम्न माना।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(a) 1 तथा 2 (b) 2 तथा 3

Scanned with OKEN Scanner

(c) 1, 2 तथा 3 (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

U.P.P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(c)

बौद्ध धर्म में वर्णव्यवस्था को स्वीकार तो किया गया, लेकिन उसने ब्राह्मण वर्ण की सर्वोच्च सामाजिक स्थिति को स्वीकार नहीं किया। बौद्ध धर्म में कुछ शिल्पों को निम्न माना गया है।

125. बौद्ध धर्म के विस्तार के कारणों में सम्मिलित थे–

1. धर्म की सादगी
2. दलितों के लिए विशेष अपील
3. धर्म की मिशनरी भावना
4. स्थानीय भाषा का प्रयोग
5. दार्शनिकों द्वारा वैदिक भावना की सुदृढ़ता

नीचे दिए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3 और 4

(c) 1, 2, 3 और 4 (d) 2, 3, 4 और 5

U.P.P.C.S. (Pre) 2009

उत्तर–(c)

बौद्ध धर्म की सादगी, दलितों के लिए विशेष अपील, मिशनरी भावना तथा स्थानीय भाषा का प्रयोग बौद्ध धर्म के विस्तार के प्रमुख कारणों में सम्मिलित थे, जबकि दार्शनिकों द्वारा वैदिक भावना की सुदृढ़ता इसमें शामिल नहीं थी।

126. आरंभिक मध्ययुगीन समय में बौद्ध धर्म का पतन किस/किन कारण/कारणों से शुरू हुआ?

1. उस समय तक बुद्ध, विष्णु के अवतार समझे जाने लगे और वैष्णव धर्म का हिस्सा बन गए।
2. अंतिम गुप्त राजा के समय तक आक्रमण करने वाली मध्य एशिया की जनजातियों ने हिंदू धर्म को अपनाया और बौद्धों को सताया।
3. गुप्त वंश के राजाओं ने बौद्ध धर्म का पुरजोर विरोध किया।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

आरंभिक मध्ययुगीन समय में भारत में बौद्ध धर्म का पतन इसलिए हुआ कि उस समय बुद्ध, विष्णु के अवतार समझे जाने लगे और वैष्णव धर्म का हिस्सा बन गए। कथन 2 और 3 सही नहीं हैं। अतः अभीष्ट उत्तर विकल्प (a) होगा।

127. भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. सौत्रांतिक और सम्मितीय जैन मत के संप्रदाय थे।
2. सर्वास्तिवादियों की मान्यता थी कि दृग्विषय (फिनोमिना) के अवयव पूर्णतः क्षणिक नहीं हैं, अपितु अव्यक्त रूप से सदैव विद्यमान रहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

I.A.S. (Pre) 2017

उत्तर–(b)

सौत्रांतिक और सम्मितीय जैन मत के संप्रदाय नहीं, अपितु बौद्ध मत के संप्रदाय हैं। अतः कथन (1) असत्य है। सर्वास्तिवाद में 3 शब्द हैं–सर्व + अस्ति + वाद। सर्व अर्थात सभी तत्व, अस्ति अर्थात है। इस प्रकार तृतीय बौद्ध संगीति में जिन भिक्षुओं ने सभी तत्वों का अस्तित्व सभी कालों में स्वीकार किया वे संगीति छोड़कर कश्मीर चले गए और सर्वास्तिवादी कहलाए। कनिष्क के काल में चौथी बौद्ध संगीति कश्मीर में सवास्तिवादियों द्वारा ही आयोजित थी, अब इनका प्रभाव लगभग पूरे देश में फैल गया।

128. निम्नांकित कथनों पर विचार करें एवं 'चैत्य' तथा 'विहार' में क्या अंतर है, इसे चुनें–

(a) विहार पूजा स्थल होता है, जबकि चैत्य बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थल है।

(b) चैत्य पूजा स्थल होता है, जबकि विहार निवास स्थान है।

(c) दोनों में विशेषतः कोई अंतर नहीं है।

(d) विहार एवं चैत्य दोनों ही निवास स्थान के रूप में प्रयोग हो सकते हैं।

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर–(b)

'चैत्य' का शाब्दिक अर्थ है–चिता संबंधी। शवदाह के पश्चात बचे हुए अवशेषों को भूमि में गाड़कर उनके ऊपर जो समाधियां बनाई गईं, उन्हीं को प्रारंभ में चैत्य या स्तूप कहा गया। इन समाधियों में महापुरुषों के धातु अवशेष सुरक्षित थे, अतः चैत्य उपासना के केंद्र बन गए। कालांतर में बौद्धों ने इन्हें अपनी उपासना का केंद्र बना लिया। चैत्यगृहों के समीप ही भिक्षुओं के रहने के लिए आवास बनाए गए, जिन्हें 'विहार' कहा गया।

Scanned with OKEN Scanner

129. कुछ शैलकृत बौद्ध गुफाओं को चैत्य कहते हैं, जबकि अन्य को विहार। दोनों में क्या अंतर है?

(a) विहार पूजा स्थल होता है, जबकि चैत्य बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान है।

(b) चैत्य पूजा स्थल होता है, जबकि विहार बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान है।

(c) चैत्य गुफा के दूर के सिरे पर स्तूप होता है, जबकि विहार गुफा पर अक्षीय कक्ष होता है।

(d) दोनों में कोई वस्तुपरक अंतर नहीं होता।

I.A.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

130. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. पश्चिम गोदावरी जिले के गुन्टुपल्ली में प्रारंभिक चैत्यगृह और विहार चट्टानों को काटकर बनाए गए हैं।

2. पूर्वी दक्कन के चैत्य और विहार साधारणतया चट्टानों को काटकर बनाए गए हैं।

इन कथनों में से–

(a) केवल 1 सही है।

(b) केवल 2 सही है।

(c) 1 तथा 2 दोनों सही हैं।

(d) न तो 1 सही है और न ही 2 सही है।

U.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

गुन्टुपल्ली में चट्टानों को काटकर प्रारंभिक चैत्यगृह एवं विहारों का निर्माण किया गया है। ध्यातव्य है कि प्रश्नकाल में गुन्टुपल्ली आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में स्थित था। यद्यपि वर्तमान में यह एलुरू जिले का भाग है। अतः प्रश्नकाल के अनुसार कथन 1 सही है। पूर्वी दक्कन के चैत्य और विहार सामान्यतः चट्टानों को काटकर बनाए गए हैं। अतः कथन 2 भी सही है।

131. सुल्तानी युग में बौद्धों की कौन-सी शाखा सबसे प्रभावशाली थी?

(a) थेरवाद (b) हीनयान

(c) वज्रयान (d) तंत्रयान

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

मध्य काल में बौद्धों की वज्रयान शाखा सबसे अधिक प्रभावशाली थी। वज्रयान का सबसे अधिक विकास आठवीं शताब्दी में हुआ था तथा इसके सिद्धांत 'मंजुश्रीमूलकल्प' तथा 'गुह्यसमाज' नामक ग्रंथों में मिलते हैं।

Scanned with OKEN Scanner